चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 31 अगस्त 2026, अंक –346.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

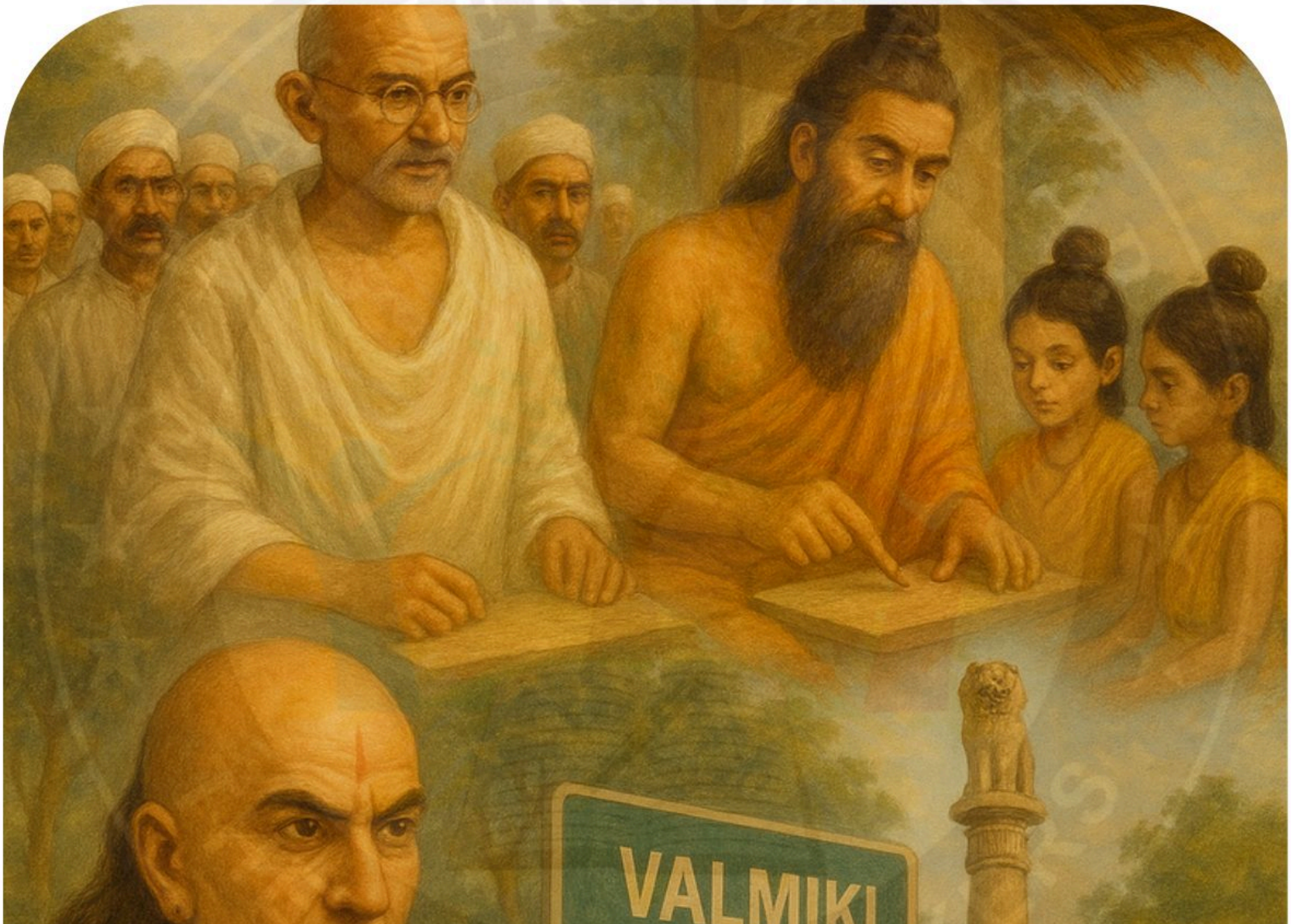

"तर्क आपको ए से बी तक ले जाएगा, कल्पना आपको कहीं भी ले जाएगी।" — आइंस्टीन

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा..

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा......

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

संकलन:-

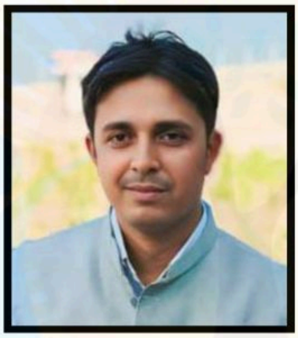

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

प्रश्न 1. अर्जेंटीना की राजधानी क्या है?
उत्तर: ब्यूनस आयर्स
प्रश्न 2. भारत में पहली बार राष्ट्रीय मतदाता दिवस कब मनाया गया था?
उत्तर: 25 जनवरी 2011
प्रश्न 3. 'भांगड़ा' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: पंजाब
प्रश्न 4. 2.5 मीटर में कितने सेंटीमीटर होते हैं?
उत्तर: 250 सेंटीमीटर
प्रश्न 5. बिहार का 'पाथरकट्टी' किस कला के लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर: पत्थर शिल्प
बिहार पर्यटन के अनुसार गया जिले का पाथरकट्टी बिहार के प्रमुख पत्थर-शिल्प केंद्रों में से एक है।
प्रश्न 6. कौन-सा स्तनपायी अंडे देता है?
उत्तर: प्लैटिपस
प्रश्न 7. गुरुत्वाकर्षण के नियम से प्रसिद्ध वैज्ञानिक कौन थे?
उत्तर: आइज़ैक न्यूटन
प्रश्न 8. भारत में मतदान करने की न्यूनतम आयु कितनी है?
उत्तर: 18 वर्ष
प्रश्न 9. 'अल्प' का विलोम शब्द क्या है?
उत्तर: अधिक
प्रश्न 10. इंद्रधनुष में सामान्यतः कितने रंग दिखाई देते हैं?
उत्तर: सात

शब्द - संगम

Seedpod – (सीडपॉड) – बीज-फल / बीज-कोष
Sap – (सैप) – पौधों का रस
Bark – (बार्क) – पेड़ की छाल
Canopy – (कैनपी) – पेड़ों की ऊपरी छत्राकार परत
Moss – (मॉस) – काई
Fern – (फर्न) – फर्न पौधा
Vine – (वाइन) – लता

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – "किस समय/कब तक ...?" (By when will you ...?)
तुम कब तक अपना काम पूरा करोगे/करोगी? – By when will you finish your work?
तुम कब तक घर पहुँचोगे/पहुँचोगी? – By when will you reach home?
तुम कब तक यह किताब पढ़ोगे/पढ़ोगी? – By when will you finish reading this book?
तुम कब तक अपना होमवर्क पूरा करोगे/करोगी? – By when will you finish your homework?
तुम कब तक रिपोर्ट तैयार करोगे/करोगी? – By when will you prepare the report?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 31 अगस्त को भारत में ब्रिटिश शासन के दमनकारी कानून (CTA 1871) से मुक्ति और औपचारिक विमुक्तिकरण (1952) की स्मृति में कौन-सा राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: राष्ट्रीय विमुक्त जाति दिवस (National Denotified Tribes Day)

व्याख्या: 31 अगस्त को भारत में 'राष्ट्रीय विमुक्त जाति दिवस' (Denotified Tribes Day) के रूप में मनाया जाता है। ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार ने 1871 में 'क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट' (CTA) लागू कर लगभग 200 घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू जनजातियों को जन्म से ही अपराधी घोषित कर दिया था। स्वाधीन भारत में पंडित जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने 31 अगस्त 1952 को इस काले कानून को पूरी तरह निरस्त कर इन समुदायों को 'विमुक्त' (De-notified) घोषित किया था। यह दिवस इन हाशिए पर खड़े समुदायों के मानवाधिकारों, गरिमा, शिक्षा और सामाजिक पुनर्वास के संकल्प को समर्पित है।

संदर्भ: Ministry of Social Justice and Empowerment Portal; NCERT Sociology Class 12 (भारतीय समाज), Ch 3 "सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरूप", p. 48–52;

प्र.2. अगस्त 2026 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' के लिए पृथ्वी की निचली कक्षा (LEO) में किस स्वदेशी अर्ध-मानवरूपी महिला रोबोट का अंतिम मानवरहित परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया? (समसामयिक घटना)

उत्तर: व्योममित्र (Vyommitra)

व्याख्या: अगस्त 2026 में इसरो (ISRO) ने अपने महत्वाकांक्षी 'गगनयान' मिशन के अंतिम मानवरहित परीक्षण चरण के तहत 'व्योममित्र' (Vyommitra) नामक महिला ह्यूमनॉइड रोबोट को क्रू मॉड्यूल में स्थापित कर अंतरिक्ष में भेजा। यह अर्ध-मानवरूपी रोबोट अंतरिक्ष यात्रियों के जीवन-रक्षक तंत्र, दबाव परिवर्तन, विकिरण के प्रभाव, कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर और केबिन संचालन मापदंडों की स्वचालित निगरानी करने तथा पर्यावरण नियंत्रण प्रणालियों का संचालन करने में सक्षम है। इसका सफल परीक्षण भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन (ह्यूमन स्पेसफ्लाइट) की अंतिम तैयारियों को पुख्ता करता है।

संदर्भ: ISRO Gaganyaan Mission Dossier August 2026;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित वह प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास कौन-सा है जिसमें सामंती समाज, औपनिवेशिक शोषण, कर्ज के दुष्चक्र और भारतीय किसान 'होरी' के जीवन संघर्ष का कालजयी महाकाव्यात्मक चित्रण किया गया है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: गोदान (Godan - 1936)

व्याख्या: वर्ष 1936 में प्रकाशित 'गोदान' मुंशी प्रेमचंद का अंतिम और सर्वश्रेष्ठ पूर्ण उपन्यास है, जिसे 'भारतीय कृषक जीवन का महाकाव्य' कहा जाता है। इसमें मुख्य पात्र 'होरी महतो' और उसकी पत्नी 'धनिया' के माध्यम से औपनिवेशिक भारत के ग्रामीण समाज में जमींदारों, महाजनों, पुलिस और पुरोहितों द्वारा किए जाने वाले बहुस्तरीय आर्थिक व सामाजिक शोषण का मर्मस्पर्शी यथार्थ प्रस्तुत किया गया है। होरी की गाय पालने और दान करने की अधूरी अभिलाषा भारतीय किसान की उस विवशता और नैतिक मर्यादा का प्रतीक है जो व्यवस्थागत अन्याय के सामने दम तोड़ देती है।

संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — 'गोदान', सरस्वती प्रेस/राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 (अंतरा भाग-2);

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र (Ecosystem) में उत्पादकों (पादपों) द्वारा प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से संचित कुल सौर ऊर्जा की दर को किस नाम से जाना जाता है और लिंडेमैन के नियम के अनुसार एक पोषण स्तर से अगले पोषण स्तर तक कितने प्रतिशत ऊर्जा स्थानांतरित होती है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: सकल प्राथमिक उत्पादकता (GPP); 10% ऊर्जा नियम

व्याख्या: किसी पारिस्थितिक तंत्र में हरे पौधों (प्राथमिक उत्पादक) द्वारा एक निश्चित समय में प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से जैव-भार (Biomass) या कार्बनिक पदार्थ उत्पादन की कुल दर को 'सकल प्राथमिक उत्पादकता' (Gross Primary Productivity - GPP) कहा जाता है। उत्पादक अपनी श्वसन क्रिया में इस ऊर्जा का एक भाग व्यय कर देते हैं, जिसके बाद शेष बची ऊर्जा 'शुद्ध प्राथमिक उत्पादकता' (NPP = GPP - R) कहलाती है। रेमंड लिंडेमैन के 10% ऊर्जा स्थानांतरण नियम (1942) के अनुसार, केवल 10% ऊर्जा ही एक पोषण स्तर से अगले पोषण स्तर (जैसे शाकाहारी से मांसाहारी) में प्रवाहित होती है, शेष 90% ऊर्जा ऊष्मा के रूप में पर्यावरण में नष्ट हो जाती है।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem), p. 260–265;

प्र.5. 12 मार्च 1930 को महात्मा गांधी ने ब्रिटिश सरकार के किस अन्यायपूर्ण कानून के विरुद्ध साबरमती आश्रम से दांडी तक अपनी ऐतिहासिक 240 मील की पदयात्रा प्रारंभ की थी? (इतिहास)

उत्तर: नमक कानून (नमक सत्याग्रह / दांडी मार्च)

व्याख्या: महात्मा गांधी ने 12 मार्च 1930 को अपने 78 चुने हुए आश्रम सहयोगियों के साथ अहमदाबाद के साबरमती आश्रम से गुजरात के तटीय गाँव दांडी तक 240 मील की 24-दिवसीय ऐतिहासिक यात्रा शुरू की। 6 अप्रैल 1930 को दांडी के समुद्र तट पर प्राकृतिक नमक बनाकर उन्होंने ब्रिटिश सरकार के नमक एकाधिकार और नमक कर कानून को तोड़ा। यह घटना भारत में 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' (Civil Disobedience Movement) की औपचारिक शुरुआत थी, जिसने देश भर में विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार, कर-अदायगी बंदी और महिलाओं की विशाल जन-भागीदारी को प्रेरित किया।

संदर्भ: NCERT History Class 10 (भारत और समकालीन विश्व-2), Ch 2 "भारत में राष्ट्रवाद", p. 38–42; NCERT History Class 12 (Themes in Indian History Part-3), Ch 13 Mahatma Gandhi and Nationalist Movement, p. 350–355.

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. राजस्थान के थार मरुस्थल की एकमात्र सबसे बड़ी बारहमासी नदी प्रणाली कौन-सी है, जो अजमेर के निकट नाग पहाड़ियों (अरावली) से निकलकर गुजरात के कच्छ के रण में विलीन हो जाती है? (भूगोल)

उत्तर: लूनी नदी (Luni River)

व्याख्या: लूनी नदी पश्चिमी राजस्थान और थार मरुस्थल की सबसे प्रमुख अंतर्देशीय अपवाह (Inland Drainage) नदी प्रणाली है। इसका उद्गम अजमेर के पास अरावली पर्वतमाला की 'नाग पहाड़ी' से होता है, जहाँ आरंभ में इसे 'सागरमती' कहा जाता है। गोविंदगढ़ के पास सरस्वती नाले से मिलने के बाद यह 'लूनी' कहलाती है। यह लगभग 495 किलोमीटर का सफर तय कर राजस्थान के पाली, बाड़मेर और जालोर जिलों से बहती हुई गुजरात के कच्छ के रण के दलदली क्षेत्र में विलीन हो जाती है। उद्गम से बालोतरा (बाड़मेर) तक इसका जल मीठा रहता है, परंतु आगे मरुस्थलीय लवणयुक्त मिट्टी के संपर्क में आने से इसका पानी अत्यधिक खारा (Saline) हो जाता है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 23–25;

प्र.7. भारतीय संविधान का 73वां संविधान संशोधन अधिनियम (1992) किस समिति की सिफारिशों पर पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्रदान करने हेतु लागू किया गया और इसके द्वारा संविधान में कौन-सी अनुसूची जोड़ी गई? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: एल. एम. सिंघवी समिति; 11वीं अनुसूची

व्याख्या: 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 (जो 24 अप्रैल 1993 से लागू हुआ) ने ग्रामीण स्थानीय स्वशासन (पंचायती राज) को संवैधानिक मान्यता प्रदान की। इसके माध्यम से संविधान में 'भाग-IX' (अनुच्छेद 243 से 243O) और '11वीं अनुसूची' जोड़ी गई, जिसमें पंचायतों के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत कुल 29 कार्यात्मक विषय सूचीबद्ध किए गए। इस संशोधन द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था (ग्राम, प्रखंड एवं जिला स्तर), प्रत्येक 5 वर्ष में नियमित चुनाव, राज्य वित्त आयोग एवं राज्य चुनाव आयोग का गठन, तथा महिलाओं के लिए न्यूनतम एक-तिहाई (33%) सीटों का अनिवार्य आरक्षण सुनिश्चित किया गया।

संदर्भ: Constitution of India (73rd Constitutional Amendment Act, 1992); NCERT Political

प्र.8. वाहनों में पीछे का दृश्य देखने के लिए पश्च-दृश्य दर्पण (Rear-View Mirror) के रूप में किस प्रकार के गोलीय दर्पण का उपयोग किया जाता है और इसका मुख्य कारण क्या है? (विज्ञान)

उत्तर: उत्तल दर्पण (Convex Mirror); सीधा प्रतिबिंब एवं विस्तृत दृष्टि-क्षेत्र

व्याख्या: मोटर वाहनों में ड्राइवर के बगल में पश्च-दृश्य दर्पण (Rear-View Mirror) के रूप में 'उत्तल दर्पण' (Convex Mirror) का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाता है। इसके दो प्रमुख वैज्ञानिक कारण हैं: (1) उत्तल दर्पण हमेशा वस्तु का सीधा (Erect) यद्यपि छोटा (Diminished) आभासी प्रतिबिंब बनाता है, जिससे पीछे से आ रहे वाहन सीधे दिखाई पड़ते हैं; (2) यह बाहर की ओर वक्रित (Curved Outwards) होने के कारण समतल या अवतल दर्पण की तुलना में बहुत बड़ा 'दृष्टि-क्षेत्र' (Wider Field of View) प्रदान करता है, जिससे चालक अपने पीछे के एक विशाल सड़क क्षेत्र और कई वाहनों को एक साथ आसानी से देख पाता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 180–182;

प्र.9. शास्त्रीय हिंदुस्तानी संगीत में गायन-वादन की किस सबसे प्राचीन, ओजस्वी और गंभीर गायन शैली की उत्पत्ति वेदों के सामगान से मानी जाती है, जिसके प्रमुख गायक स्वामी हरिदास और तानसेन थे? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: ध्रुवपद गायन शैली (ध्रुपद / Dhrupad)

व्याख्या: ध्रुपद (ध्रुव + पद) हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की सबसे प्राचीन, शास्त्रीय और शुद्ध परंपरा मानी जाती है, जिसकी जड़ें सामवेद के मंत्रोच्चार और नाद-ब्रह्म में निहित हैं। 15वीं-16वीं शताब्दी में ग्वालियर के राजा मानसिंह तोमर, स्वामी हरिदास और मुगल सम्राट अकबर के नवरत्नों में शामिल मियां तानसेन ने इसे चरमोत्कर्ष पर पहुंचाया। ध्रुपद में अलाप को अत्यधिक महत्व दिया जाता है और इसमें शब्दों का उच्चारण गंभीर, ओजपूर्ण तथा आध्यात्मिक भाव से युक्त होता है। यह शैली मुख्य रूप से पखावज (मृदंग) की संगति में गाई जाती है। इसके चार प्रमुख घराने/बानियां हैं — डागर, गौहर, खंडार और नौहार।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला और संगीत परंपरा संदर्भ);

प्र.10. बिहार के मुंगेर जिले में स्थित भारत की वह सबसे प्राचीन और विशाल रेल कार्यशाला (Railway Workshop) कौन-सी है, जिसकी स्थापना 8 फरवरी 1862 को ईस्ट इंडिया रेलवे द्वारा की गई थी? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: जमालपुर रेल इंजन कारखाना (Jamalpur Locomotive Workshop)

व्याख्या: 8 फरवरी 1862 को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया रेलवे कंपनी द्वारा बिहार के मुंगेर जिले में स्थापित 'जमालपुर रेल कार्यशाला' (Jamalpur Locomotive Workshop) भारतीय रेलवे की पहली और सबसे बड़ी मुख्य लोकोमोटिव मरम्मत एवं विनिर्माण कार्यशाला है। 1899 में भारत का पहला स्वदेशी वाष्प इंजन (Steam Locomotive 'CA 764 Lady Curzon') इसी कार्यशाला में बनाया गया था। इसके अतिरिक्त 1927 में यहाँ स्थापित 'भारतीय रेल यांत्रिक एवं विद्युत इंजीनियरिंग संस्थान' (IRIMEE) देश के शीर्ष रेलवे इंजीनियरों (SCRA) का प्रमुख राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र रहा है। यह बिहार के औद्योगिक व तकनीकी गौरव का ऐतिहासिक प्रतीक है।

संदर्भ: Eastern Railway Official Documentation & History; Bihar State Industrial

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (सुरक्षित शनिवार: अगस्त W4 – नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव) के अनुसार यदि कोई व्यक्ति अनजाने में गहरे पानी में गिर जाए और उसे तैरना न आता हो, तो डूबने से बचने हेतु 'अस्तित्व तैराकी' (जल पर पीठ के बल लेटने / Survival Floating) की क्या सही तकनीक है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: शांत रहें, फेफड़ों में हवा भरें, पीठ के बल लेटकर तैरें (Back Floating)

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' प्रशिक्षण मॉड्यूल और एनडीआरएफ (NDRF) के जल-सुरक्षा दिशानिर्देशों के अनुसार, गहरे पानी में गिरने पर घबराहट और हाथ-पैर पटकने से ऊर्जा तेजी से नष्ट होती है और पानी फेफड़ों में भर जाता है। इसके विपरीत 'सर्वाइवल फ्लोटिंग' (पीठ के बल तैरना) तकनीक अपनानी चाहिए: (1) पूर्णतः शांत रहें और घबराकर हाथ-पैर न चलाएं; (2) सिर को पीछे की ओर झुकाकर कान पानी में डुबोए रखें और ठुड्डी को आकाश की ओर सीधा रखें; (3) फेफड़ों में पूरी हवा भरकर रखें क्योंकि हवा भरे फेफड़े प्राकृतिक 'लाइफ जैकेट' की तरह शरीर को पानी की सतह पर तैराए रखते हैं; (4) हाथों और पैरों को पानी के भीतर फैलाकर हल्के-हल्के हिलाते हुए केवल अपनी नाक और मुंह को पानी से बाहर रखकर सांस लें।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module August W4 – "नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव"; National Disaster Response Force (NDRF) Aquatic Safety Standard SOP.

प्र.12. एक कक्षा में लड़कों और लड़कियों की संख्या का अनुपात 3:2 है। यदि कक्षा में 12 नई लड़कियाँ और दाखिला ले लेती हैं, तो लड़कों और लड़कियों का नया अनुपात 6:5 हो जाता है। बताइए कक्षा में लड़कों की कुल संख्या कितनी है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 72 लड़के

व्याख्या: यह अनुपात एवं समानुपात पर आधारित बीजगणितीय प्रश्न है। माना कि लड़कों की संख्या = $3x$ और लड़कियों की प्रारंभिक संख्या = $2x$ है। 12 नई लड़कियों के दाखिले के बाद लड़कियों की संख्या = $2x + 12$ हो जाती है। नया अनुपात: $(3x) / (2x + 12) = 6/5$। तिरछा गुणा (वज्र-गुणन) करने पर: $5 * 3x = 6 * (2x + 12)$, यानी $15x = 12x + 72$। पक्षांतरण करने पर: $15x - 12x = 72$, जिससे $3x = 72$ प्राप्त होता है। चूँकि लड़कों की कुल संख्या $3x$ ही मानी गई थी, अतः कक्षा में लड़कों की कुल संख्या = 72 है। (जाँच: $x = 24$; प्रारंभिक लड़कियाँ = 48; नई लड़कियाँ जोड़ने पर = $48 + 12 = 60$; नया अनुपात = $72/60 = 6/5$)।

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

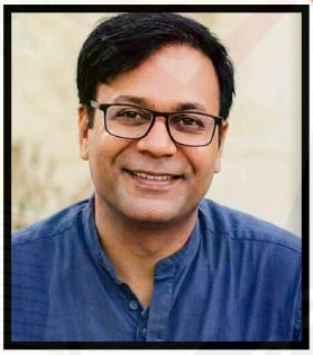

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Fleeting (फ्लीटिंग) = Transitory (ट्रांज़िटरी) = क्षणिक / अल्पकालिक
Antonym – Lasting (लास्टिंग) = स्थायी

Gregarious (ग्रिगेरियस) = Sociable (सोशेबल) = मिलनसार / सामाजिक
Antonym – Reserved (रिज़र्व्ड) = संकोची / एकांतप्रिय

Incessant (इन्सेसन्ट) = Continuous (कन्टिन्युअस) = निरंतर / लगातार
Antonym – Intermittent (इन्टरमिटेन्ट) = रुक-रुक कर होने वाला

Mollify (मॉलिफ़ाइ) = Pacify (पैसिफ़ाइ) = शांत करना / क्रोध कम करना
Antonym – Irritate (इरिटेट) = चिढ़ाना / उत्तेजित करना

Perfunctory (परफंक्टरी) = Cursory (कर्सरी) = औपचारिक / बिना रुचि के किया गया
Antonym – Thorough (थरो) = पूर्ण / गहन

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Unveils 'National High-Performance Quantum Network Framework' for Advanced Scientific Research.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए 'राष्ट्रीय उच्च-प्रदर्शन क्वांटम नेटवर्क ढांचा' का अनावरण किया।
राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (NQM) के विस्तार के तहत केंद्र सरकार ने देश भर के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों (IITs, IISc, TIFR) को सुरक्षित, उच्च-गति वाले क्वांटम संचार लिंक से जोड़ने के लिए एक समर्पित तकनीकी रूपरेखा अधिसूचित की है। इसका उद्देश्य क्रिप्टोग्राफी, सामग्री विज्ञान और जटिल सिमुलेशन में स्वदेशी क्षमताओं को सशक्त बनाना है।

English Headline: NITI Aayog Releases 'State Green Logistics and Cold-Chain Infrastructure Index 2026', Highlighting Multi-Modal Connectivity.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी को रेखांकित करते हुए 'राज्य हरित लॉजिस्टिक्स एवं कोल्ड-चेन अवसंरचना सूचकांक 2026' जारी किया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम मूल्यांकन में कृषि उपज के भंडारण, ग्रामीण कोल्ड-स्टोरेज के विद्युतीकरण और माल ढुलाई में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के मामले में गुजरात, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। यह रिपोर्ट राष्ट्रीय रसद नीति (NLP) के लक्ष्यों की प्रगति का व्यापक विश्लेषण करती है।

English Headline: ISRO Completes Integrated High-Altitude Simulation Tests for Next-Generation Launch Vehicle (NGLV) Cryogenic Stage.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण वाहन (NGLV) क्रायोजेनिक चरण के लिए एकीकृत उच्च-ऊंचाई सिमुलेशन परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (IPRC) में भारी लिफ्ट रॉकेट के क्रायोजेनिक अपर स्टेज का वैक्यूम इग्निशन परीक्षण किया। यह तकनीक आगामी भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS) के मॉड्यूल और गहरे अंतरिक्ष अभियानों के लिए पेलोड वहन क्षमता को मजबूती प्रदान करेगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Passes Resolution Establishing International Guidelines for Ethical Governance of Generative AI.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने जेनेरेटिव एआई के नैतिक शासन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिशानिर्देश स्थापित करने वाला प्रस्ताव पारित किया।
न्यूयॉर्क में आयोजित विशेष सत्र के दौरान संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के पारदर्शी, सुरक्षित और गैर-भेदभावपूर्ण उपयोग के लिए एक सर्वसम्मत बहुपक्षीय रूपरेखा को मंजूरी दी। इस प्रस्ताव का उद्देश्य विकासशील देशों के लिए डिजिटल संप्रभुता की सुरक्षा और साइबर सुरक्षा मानकों को सुदृढ़ करना है।

English Headline: World Bank and Asian Development Bank Announce Joint $4.5 Billion South Asian Climate-Resilient Coastal Facility.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक ने दक्षिण एशियाई जलवायु-लचीले तटीय बुनियादी ढांचे के लिए संयुक्त $4.5 बिलियन की सुविधा की घोषणा की।
तटीय क्षेत्रों में समुद्र के बढ़ते जलस्तर और चक्रवाती तूफानों से निपटने के लिए भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका के तटीय बुनियादी ढांचे, मैंग्रोव बायो-शील्ड संरक्षण और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों के आधुनिकीकरण हेतु यह बहुपक्षीय वित्तीय पैकेज स्वीकृत किया गया है।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global Pathogen Genomics Early Warning Network 5.5' for Vector-Borne Diseases.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने कीट-जनित बीमारियों के लिए 'ग्लोबल पैथोजन जीनोमिक्स अर्ली वार्निंग नेटवर्क 5.5' की शुरुआत की।
जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण तेजी से फैलने वाले संक्रामक रोगों (जैसे डेंगू, चिकनगुनिया और जीका) के नए म्यूटेशन की पहचान के लिए डब्ल्यूएचओ ने जिनेवा में डिजिटल प्लेटफॉर्म का विस्तार किया है। यह नेटवर्क जीनोमिक डेटा का वास्तविक समय में विश्लेषण कर पूर्व चेतावनी जारी करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves Special Financial Incentive Package for Mega Food Processing Parks in Mithila-Seemanchal Region.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने मिथिला-सीमांचल क्षेत्र में मेगा खाद्य प्रसंस्करण पार्कों के लिए विशेष वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी दी।
राज्य के पारंपरिक और भौगोलिक संकेतक (GI) प्रमाणित उत्पादों—विशेष रूप से मिथिला मखाना, शाही लीची और मक्का के मूल्य संवर्धन (Value Addition) और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बिहार सरकार ने नई सब्सिडी योजना अधिसूचित की है। इसके तहत आधुनिक कोल्ड स्टोरेज और प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने वाले उद्यमियों को विशेष पूंजीगत सहायता दी जाएगी।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Initiates Geo-Spatial Wetland Inventory in Kosi-Gandak Belt.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने कोसी-गंडक बेल्ट में भू-स्थानिक आर्द्रभूमि सूचीकरण शुरू किया।
उत्तर बिहार की समृद्ध आर्द्रभूमियों (Wetlands) और पारिस्थितिकीय जल निकायों के संरक्षण के लिए वन विभाग ने सैटेलाइट और रिमोट सेंसिंग सर्वेक्षण शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक जल संचयन क्षेत्रों के अतिक्रमण को रोकना, जलीय जैव विविधता की रक्षा करना और क्षेत्रीय भूजल पुनर्भरण को सुदृढ़ बनाना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Contingent Tops Medal Tally at World Archery Cup Stage with Double Gold in Compound Events.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने कंपाउंड स्पर्धाओं में दोहरे स्वर्ण पदक के साथ विश्व तीरंदाजी कप चरण की पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।
अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय तीरंदाजों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखते हुए व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में शीर्ष वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंदियों को हराकर स्वर्ण पदक जीते, जिससे भारत ने समग्र पदक तालिका में पहला स्थान बनाए रखा।

English Headline: International Table Tennis Federation (ITTF) Deploys AI-Driven Sensor Analytics for Real-Time Edge Ball Decisions.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (ITTF) ने रियल-टाइम एज बॉल निर्णयों के लिए एआई-संचालित सेंसर एनालिटिक्स तैनात किया।
अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग निर्णयों को सटीक और विवाद-मुक्त बनाने के उद्देश्य से आईटीटीएफ ने नई तकनीकी नियमावली लागू की है। टेबल के किनारों और बेसलाइन पर लगे उच्च-सटीक सेंसर सूक्ष्म संपर्कों का त्वरित विश्लेषण करके अंपायरों को त्रुटिहीन निर्णय लेने में सहायता करेंगे।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

प्रेरक प्रसंग

समय रहते सावधानी

विद्यालय की प्रार्थना सभा में प्रधानाध्यापक बच्चों को आपदा से बचाव के बारे में समझा रहे थे। उन्होंने कहा, “आपदा कभी बताकर नहीं आती। कहीं आग लग जाती है, कहीं भूकंप आ जाता है और कहीं अचानक बाढ़ सब कुछ अपने साथ बहा ले जाती है। ऐसे समय घबराहट नहीं, सूझबूझ और तैयारी जीवन बचाती है।”

उन्होंने बच्चों को हाल की एक विनाशकारी बाढ़ की घटना का उदाहरण दिया। नेपाल के एक विद्यालय को सूचना मिली कि पहाड़ों की ओर से अचानक तेज़ सैलाब आने की आशंका है। सूचना मिलते ही प्रधानाचार्य और शिक्षकों ने बिना देर किए बच्चों को कक्षाओं से बाहर निकाला और सुरक्षित ऊँचे स्थान की ओर भेजना शुरू कर दिया।

कुछ बच्चे अपने बस्ते और टिफिन उठाने के लिए मुड़ने लगे। लेकिन शिक्षकों ने समय की नाजुकता को समझते हुए तुरंत निर्देश दिया, “कुछ मत उठाओ, सब यहीं छोड़ दो और तेजी से ऊँचे स्थान की ओर चलो!”

बच्चे समझ गए कि इस समय बस्ता संभालने या सामान इकट्ठा करने में एक पल भी गंवाना खतरनाक हो सकता है। भारी बस्ते लेकर वे तेजी से ऊँचाई की ओर भाग भी नहीं पाते। इसलिए सभी बच्चों ने अपना सामान वहीं छोड़ दिया और शिक्षकों के साथ सुरक्षित स्थान की ओर निकल पड़े।

कुछ ही मिनटों बाद भयंकर सैलाब तूफान की तरह आया और विद्यालय परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। जहाँ कुछ समय पहले बच्चों की कक्षाएँ चल रही थीं, वहाँ पानी और मलबे का तेज़ बहाव था।

बच्चों के बस्ते और टिफिन पीछे छूट गए थे, लेकिन सभी बच्चे सुरक्षित थे।

प्रधानाध्यापक ने कहा, “उस दिन शिक्षकों की सूझबूझ और बच्चों की तत्परता ने अनेक जीवन बचा लिए। आपदा के समय सबसे महत्वपूर्ण है—खतरे को समझना, निर्देशों का पालन करना और बिना देर किए सुरक्षित स्थान तक पहुँचना।”

इसके बाद विद्यालय में निर्णय लिया गया कि आगजनी, भूकंप, बाढ़ और अन्य संभावित आपदाओं के लिए समय-समय पर मॉक ड्रिल कराई जाएगी।

प्रेरक सीख : आपदा के समय हर सेकंड महत्वपूर्ण होता है। पहले से किया गया अभ्यास और सही समय पर लिया गया निर्णय जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन सकता है।

“सावधानी केवल खतरे से बचाती नहीं, सही समय पर सही कदम उठाना भी सिखाती है।”

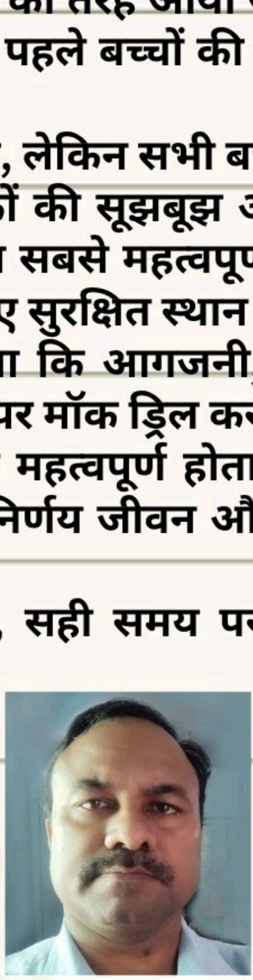

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वे अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 — बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : औरंगाबाद, अंक–3"

'संपादकीय'✍️

शीर्षक: औरंगाबाद: ऊर्जा आर्थिकी, सोन कृषि तंत्र और भावी विकास

औरंगाबाद की सांस्कृतिक समरसता का केंद्र देव के सूर्य कुंड, उमगा धाम के शैल-प्रांगण और सोन नदी के तटों पर बसता है। चैत्र और कार्तिक छठ महापर्व के दौरान देव में देश भर से आने वाले लाखों व्रतियों का समागम समूचे जिले को एक आध्यात्मिक सूत्र में पिरोता है। इसके साथ ही, दाउदनगर का ऐतिहासिक कालीन व कंबल उद्योग (Blanket Weaving) और पारंपरिक पीतल-कांस्य धातुशिल्प स्थानीय कारीगरों की पीढ़ियों पुरानी कलात्मक क्षमता और ग्रामीण भाईचारे को दर्शाता है।

आर्थिक और औद्योगिक मोर्चे पर औरंगाबाद बिहार की 'ऊर्जा राजधानी' के रूप में स्थापित है। नबीनगर में स्थित एनटीपीसी (NTPC) सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट और भारतीय रेलवे की बिजली परियोजना (BRBCL) संयुक्त रूप से हजारों मेगावाट बिजली का उत्पादन कर पूरे राज्य और भारतीय रेल नेटवर्क को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, जीटी रोड (NH-19) के किनारे वारिसलीगंज और बारुण में स्थापित बड़े सीमेंट निर्माण संयंत्र (जैसे श्री सीमेंट व डालमिया सीमेंट की ग्राइंडिंग यूनिट्स) जिले को निर्माण सामग्री का एक बड़ा केंद्र बनाते हैं।

कृषि और ग्रामीण आर्थिकी की बात करें तो औरंगाबाद सोन नहर प्रणाली (Son Canal System) के सघन नेटवर्क से लाभान्वित है। बारुण, ओबरा, दाउदनगर और हसपुरा के मैदानी इलाके उच्च गुणवत्ता वाले धान, गेहूं और दलहन की पैदावार के लिए जाने जाते हैं। यहाँ के सोन कछारों में उगाई जाने वाली हरी सब्जियां और तरबूज स्थानीय बाजारों के साथ-साथ झारखंड के औद्योगिक शहरों को ताजी आपूर्ति देते हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में निरंतर नकद तरलता बनी रहती है।

ढांचागत विकास और रणनीतिक कनेक्टिविटी के मामले में औरंगाबाद का स्थान अत्यंत सुदृढ़ है। अमृतसर-दिल्ली-कोलकाता औद्योगिक गलियारे (ADKIC) और स्वर्णिम चतुर्भुज (NH-19) पर स्थित होने के कारण यह क्षेत्र लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और भारी उद्योगों के लिए आदर्श गलियारा बन चुका है। सोन नदी पर बने पक्के पुलों ने इसे शाहाबाद (रोहतास) के औद्योगिक क्षेत्र से सीधे जोड़ रखा है।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो औरंगाबाद में 'एग्रो-इंडस्ट्रियल पार्क्स' और 'सोलर व थर्मल हाइब्रिड एनर्जी' की असीमित संभावनाएं हैं। देव सूर्य मंदिर और उमगा की पुरातात्विक पहाड़ियों को जोड़कर यदि एक एकीकृत 'हेरिटेज व स्पिरिचुअल टूरिज्म सर्किट' विकसित किया जाए, तो यह स्थानीय युवाओं के लिए सेवा और आतिथ्य क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर सृजित कर सकता है।

औरंगाबाद का यह अंतिम अंक यह प्रमाणित करता है कि यह जिला अपने प्राचीन सूर्य-उपासना के तेज और पुरातात्विक गौरव को सहेजे हुए आधुनिक ऊर्जा उत्पादन, भारी उद्योगों और कृषि सामर्थ्य के बल पर बिहार की प्रगति का एक प्रमुख आधार स्तंभ बना हुआ है। देव के पवित्र कुंड से लेकर नबीनगर की विशाल चिमनियों तक, सोन के लहलहाते खेतों से लेकर जीटी रोड की औद्योगिक हलचल तक—औरंगाबाद परंपरा और आधुनिक औद्योगिकीकरण का एक मजबूत मॉडल प्रस्तुत करता है।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org